जोधपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में विधि संकाय नाम पट्टिका का अनावरण करते भारत के प्रधान न्यायाधीश केजी बालाकृष्णन।

युवा विधि क्षेत्र में आगे आएं : बालाकृष्णन

भास्कर न्यूज. जोधपुर

भारत के मुख्य न्यायाधीश केजी बालाकृष्णन ने शनिवार को जोधपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में नामपट्ट का अनावरण कर विधि संकाय का शुभारंभ किया। बालाकृष्णन ने कहा कि विधि संकाय से जुड़े विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का उपयोग विधि एवं न्यायिक क्षेत्र में करें। वर्तमान में ज्यादा संख्या कार्पोरेट व कॉमर्शियल क्षेत्र से जुड़ने वालों की है। वे विधि एवं न्याय क्षेत्र में आएं और समाज के जरूरतमंद वर्ग को लाभान्वित करें। विधिक क्षेत्र में अपना कैरियर बनाएं ताकि समाज को योग्य युवा प्रतिभाओं का लाभ मिलें।

लीगल सिस्टम को आधार मिलेगा

उन्होंने कहा कि विधि संकाय शुरू होने से लीगल सिस्टम को सुदृढ़ आधार मिलेगा। लॉयर की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि विधि शिक्षा वाले कॉलेजों में अच्छे व योग्य शिक्षकों का होना भी जरूरी है। उन्होंने विधि विद्यार्थियों को बार एवं ज्यूडीशियरी से जुड़कर अपने व्यक्तित्व विकास के साथ प्रतिभा का उपयोग समाज हित में करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे विद्यार्थियों को लीगल व क्लीनिक से जुड़कर कड़ी मेहनत एवं परिश्रम करना चाहिए। आने वाली पीढ़ी विधिक शिक्षा से जुड़े और समाज को अपने कार्यों से विधिक लाभ पहुंचाएं। अध्यक्षीय उद्बोधन में राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जगदीश भल्ला ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि प्राचीन शिक्षा संस्कृति में गुरु को अधिक देकर हम आज आगे बढ़े हैं। युवा विधि विद्यार्थी अथक परिश्रम करके अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करें। विधिक शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ें और समाज के निचले तबके के जरुरतमंदों को विधिक सेवा का लाभ पहुंचाएं। विशिष्ट अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मघराज कल्ला ने कहा कि विधि संकाय शुरू होने से विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि जोधपुर की प्रतिभाओं ने स्वतंत्रता आंदोलन, विधि एवं न्याय, शिक्षा आदि क्षेत्र में नाम रोशन किया है। समारोह में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश दलवीर भंडारी उपस्थित थे। जोधपुर राष्ट्रीय विवि के कमल मेहता ने विधि संकाय एवं विवि की गतिविधियों और कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कुलपति डॉ. महेन्द्र सुराणा ने स्वागत भाषण दिया। अतिथियों को साफे बांधे गए और स्मृति चिह्न भेंट किए गए। पीकेडे ने आभार जताया।